यीशु प्रेम करता है: संसार से

विकास चरण एक	लक्षण	आवश्यकताएँ
मस्तिष्क	खेल खेलने और देखने, स्पर्श करने और सूँघने के द्वारा सीखते हैं। एक काम पर एक समय में 4 मिनट तक एकाग्र रहने में सक्षम होते हैं। सत्य को कल्पित कथाओं से अलग नहीं कर सकते।	दोहराएँ। एक-एक कदम करके निर्देशन दें। केवल वही समझ सकते हैं जिन्हें वे देख सकते हैं, स्पर्श कर सकते हैं या सूँघ सकते हैं। एक गतिविधि से दूसरी पर जाने की स्वतन्त्रता दें। प्रत्येक 4 मिनट के बाद विश्राम करने, खड़े होने, उछलने-कूदने और फिर बैठने का समय दें।
शारीरिक	आसानी से थक जाते हैं। बड़ी माँसपेशियों को नियन्त्रित करना सीखते हैं।	गतिविधि के लिए समय और विश्राम के लिए समय दें।
भावात्मक	वयस्कों को प्रसन्न करना चाहते हैं। बहुत अधिक एकाग्रता की आवश्यकता पड़ती है।	एक-एक करके व्यक्तिगत समय दें। सराहना और प्रोत्साहन दें। स्नेही वयस्क बनें।
आत्मिक	अचम्भे और विस्मय का अनुभव करते हैं। भरोसा रखते हैं।	परमेश्वर की सृष्टि के उदाहरण दें।

विकास चरण दो	लक्षण	आवश्यकताएँ
मस्तिष्क	खेल खेलने और देखने, स्पर्श करने और सूँघने के द्वारा सीखते हैं। एक काम पर एक समय में 10 मिनट तक एकाग्र रहने में सक्षम होते हैं। सत्य को कल्पित कथाओं से अलग करना प्रारम्भ करते हैं। कल्पनाशील होते हैं। जानना और सीखना चाहते हैं।	दोहराएँ। स्वयं करने और खोज निकालने के द्वारा सीखते हैं। केवल वही समझ सकते हैं जिन्हें वे देख सकते हैं, स्पर्श कर सकते हैं या सूँघ सकते हैं। प्रत्येक 10 मिनट के बाद गतिविधि बदलें। सिखाएँ कि बाइबल में दर्ज घटनाएँ सचमुच हुई हैं, वे कल्पित कथाएँ नहीं हैं। ऐसे वयस्क बनें जो परमेश्वर के प्रेम का आदर्श हों।
शारीरिक	आसानी से थक जाते हैं। छोटी माँसपेशियों को नियन्त्रित करना सीखते हैं।	नए कौशलों का अभ्यास करने के अवसर दें। गतिविधि के लिए समय और विश्राम के लिए समय दें।
भावात्मक	डरते हैं और भावुक होते हैं। ध्यान चाहते हैं	सुरक्षित और मज़ेदार माहौल तैयार करें, ऐसी मज़ेदार गतिविधियाँ करवाएँ जिन्हें आसानी से किया जा सके। स्नेही वयस्क बनें।
आत्मिक	आज्ञाउल्लंघन को समझते हैं। आराधना कर सकते हैं।	क्षमा दें। आराधना करने के लिए प्रोत्साहित करें।

यीशु प्रेम करता है: संसार से

विकास चरण तीन	लक्षण	आवश्यकताएँ
मस्तिष्क	रचनात्मक होते हैं। एक काम पर एक समय में 15 मिनट तक एकाग्र रहने में सक्षम होते हैं। अच्छी स्मरणशक्ति होती है। पढ़ने, लिखने, और बोलने के कौशल दिखते हैं।	दोहराएँ। सीखने के रचनात्मक तरीके (नाटिका, चित्रकारी, संगीत, और खेल) अपनाएँ। नए कौशलों का अभ्यास करें। स्मरणशक्ति बढ़ाने के खेल खेलें। केवल वही समझ सकते हैं जिन्हें वे देख सकते हैं, स्पर्श कर सकते हैं या सूँघ सकते हैं। प्रत्येक 15 मिनट के बाद गतिविधि बदलें।
शारीरिक	क्रियाशील होते हैं। आवाज़ और शरीर पर नियन्त्रण होता है। ताल को पहचानते हैं।	तेज़ शारीरिक गतिविधियाँ (नृत्य और दौड़ना) तथा धीमी शारीरिक गतिविधियाँ (पढ़ना और लिखना) बारी-बारी करवाएँ। गतिविधि के लिए समय और विश्राम के लिए समय दें। नए कौशलों का अभ्यास करें। सीखने की गतिविधियाँ दें।
भावात्मक	वयस्कों से स्वीकृति चाहते हैं। संयम विकसित करते हैं।	सुरक्षित और मज़ेदार माहौल तैयार करें, ऐसी मज़ेदार गतिविधियाँ करवाएँ जिन्हें आसानी से किया जा सके। जिम्मेदारी लेने के अवसर दें। स्नेही वयस्क बनें।
आत्मिक	क्षमा को समझते हैं। परमेश्वर के बारे में उनके अपने मत और प्रश्न होते हैं।	क्षमा दें और क्षमा के उदाहरण दें। निर्देशित बाइबल अध्ययन दें।

विकास चरण चार	लक्षण	आवश्यकताएँ
मस्तिष्क	प्रेरणादायी उदाहरणों के द्वारा, समस्याओं तथा प्रश्नोत्तरियों का समाधान करने के द्वारा और रचनात्मक तरीकों के द्वारा सीखते हैं। एक काम पर एक समय में 30 मिनट तक एकाग्र रहने में सक्षम होते हैं।	दोहराएँ। लिखने, बोलने, शोध करने और निर्माण करने की गतिविधियाँ दें। विभिन्न विचारों, अर्थों और धारणाओं को समझ सकते हैं। प्रत्येक 30 मिनट के बाद गतिविधि बदलें।
शारीरिक	माँसपेशियों पर नियन्त्रण होता है। क्रियाशील होते हैं।	तेज़ शारीरिक गतिविधियाँ (नृत्य और दौड़ना) तथा धीमी शारीरिक गतिविधियाँ (पढ़ना और लिखना) बारी-बारी करवाएँ। गतिविधि के लिए समय और विश्राम के लिए समय दें।
भावात्मक	वयस्क का दर्जा चाहते हैं। भावुक होते हैं। आराधना के 'नायक' ढूँढते हैं।	चुनौतीपूर्ण किन्तु कम कठिन जिम्मेदारियाँ दें। प्रेम, सहयोग और प्रोत्साहन दें। स्नेही वयस्क बनें।
आत्मिक	मोक्ष को समझते हैं। सही और गलत के बारे में उनके अपने मत होते हैं।	सुसमाचार के सत्य की स्पष्ट प्रस्तुति करें। निर्णय लेने में निर्देशन दें।